Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 02-08-2006
Participants : Chatterjee Shri Somnath,Malhotra Prof. Vijay Kumar,Pathak Shri Harin

an>

Title : Deteriorating law and order situation in Delhi.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : मैंने कल भी इस बारे में प्रश्न उठाया था। यह सिर्फ दिल्ली में एम.पीज. का सवाल नहीं है। मैंने कल आपको इस बात का नोटिस भी दिया था। रविवार को दिल्ली में 11 हत्याएं हुईं, जिनका उल्लेख अभी किया गया। एक ही परिवार के सात सदस्य, छोटे बच्चे से लेकर बड़े माता-पिता तक, जिनमें से चार बेटियां थीं, जिनमें तीन साल की, 17 साल की, 16 साल की, 14 साल BÉEÉÒ +ÉÉè® ABÉE ¤Éä]É £ÉÉÒ lÉÉ* [m24]

एक सात वर्ा का बच्चा था, उसकी भी हत्या कर दी गयी। जिस नृशंस तरीके से हत्या की गयी, जिस तरीके से उनको मारा गया, जिस तरीके से उनके शरीर काटे गए, जिस तरह से उनके गले काटे गए, उससे सारी दिल्ली सहम रही है। उस दिन एक और दम्पत्ति की हत्या हुयी और एक दम्पत्ति ही नहीं पिछले दो वर्ाों में करीबन सौ से ज्यादा दंपत्तियों की हत्यायें हो चुकी हैं। उसके पहले बलात्कार की इतनी ज्यादा घटनाएं हुयीं और लगातार हो रही हैं। जब हमने पिछली बार इस प्रश्न को उठाया था, तो यहां पर गृह मंत्री जी ने कहा था कि हम काबू पा रहे हैं। हम इसके लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं। हम इसके लिए पूरी तरह से दिल्ली की जनता को आश्वासन देते हैं कि इन घटनाओं को रोका जाएगा। एक दिन में 11 हत्यायें हों और 100 से ज्यादा यहां पर अकेले रहने वाले दंपत्ति मार दिए जाएं। दिल्ली में इतनी सहम है, आप अनुमान नहीं लगा सकते। रात के समय बच्चे सो नहीं पाते। महिलाओं को खटका होते ही लगता है, पता नहीं कैसी घटना यहां पर हो जाए? ऐसी सहम की जिंदगी सारी दिल्ली जी रही है।

अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि गृह मंत्री जी को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए और जब मैं कहता हूं कि गृह मंत्री जी इस मामले में इस्तीफ दे, तो उनको त्याग पत्र देना चाहिए, क्योंकि बार-बार आश्वासन देने के बाद गृह मंत्रालय के बजट में कमी कर दी गयी। दिल्ली के अंदर अधिक पुलिस बढ़ाने के बजाए और यहां पर वीआईपी सुरक्षा के इंतजाम न करके, लोगों की जिंदगियों के लिए प्रयास करने के बजाए, कोई प्रयास नहीं किया। गृह मंत्री जी ने दिल्ली के एमपीज की एक भी मीटिंग नहीं बुलायी। गृहमंत्री जी, दिल्ली के लैफ्टीनेंट गवर्नर और दिल्ली सरकार ने दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था कैसे की जाए, इस बारे में दिल्ली के लोगों से और दिल्ली की जनता से कोई विचार-विमर्श नहीं किया है कि वह कैसे की जाए? मैं मांग करना चाहता हूं कि गृहमंत्री जी त्याग पत्र दें और दिल्ली में ज्यादा प्रयास करने के लिए प्रधानमंत्री जी विचार करें। गृहमंत्री जी को कोई नैतिक अधिकार नहीं रहता कि इन सब घटनाओं के बाद वे इस पद पर बने रहें। … (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : हरीन पाठक जी भी अपने आपको इससे एसोशिएट करते हैं।

The name of Shri Harin Pathak is associated.

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रार्थना करना चाहता हूं कि हम सब इसकी निंदा करें और भर्त्सना करें। जिस तरह से मासूमों की हत्यायें हुयी हैं, छोटे-छोटे बच्चों को काट दिया गया, ऐसी निर्मम हत्या, कोई आदमी सोच नहीं सकता कि यह हत्या कैसे की जाए?

MR. SPEAKER: It is a shocking incident. I have said from the Chair that it is a very shocking incident, a great tragedy. I am sure the Government will take all necessary action. There should be proper investigation also.

Shri Deepender Singh Hooda. He is a young member; he wants to raise an important issue.